कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा
ब्लॉक सी–3, द्वितीय एवं तृतीय तल, इंद्रावती भवन,
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
(Email - highereducation.cg@gmail.com Website - www.highereducation.cg.gov.in)

क्रमांक 1378 /545 /आउशि / सम. / 2025 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 28/2/25

प्रति,

1. **कुलसचिव,**
   समस्त विश्वविद्यालय,
   छत्तीसगढ।
2. **प्राचार्य,**
   समस्त महाविद्यालय,
   छत्तीसगढ़।

विषय :– **सामान्य प्रशासन एवं जनशिकायत निवारण विभाग से प्राप्त आवेदन पत्रों का निराकरण विषयक।**

संदर्भ :– ओ.एस.डी. उच्च शिक्षा विभाग का पत्र क्रमाक एफ 19–04 / 24 / 38–2 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 13.02.2025।

———000———

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित है। उक्त संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर कृत कार्यवाही से इस कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

(आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

संलग्न :– उपरोक्तानुसार।

अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

पृ.क्रमांक 1379/545/आउशि / सम. / 2025 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 28/2/25

प्रतिलिपि :–

ओ.एस.डी. उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर छ.ग. को संदर्भित पत्र के परिप्रेक्ष्य में सूचनार्थ।

अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

7711241212 84

स्पीड पोस्ट
18 SEP 2024

प्रति,

माननीय मुख्यमंत्री जी

छत्तीसगढ़ शासन

विषय : बालिकाओं/महिलाओं को आत्म रक्षा प्रशिक्षण दिये जाने बावत्।

PGR CELL GAD
APPLICATION Number (WEB)
CM......PGN 77711 ....
DATE........14-10.......2024

महोदय,

मैं श्रीमती मुनमुन जैन चिरमिरी छत्तीसगढ़ आज एक गंभीर विषय को लेकर आपसे पत्राचार कर रही हूं महोदय जैसा कि हाल ही में कोलकाता में महिला डॉक्टर डॉ. मौमिता देबनाथ के साथ बर्बरता पूर्ण अनाचार की धटना सामने आई। पूर्व में भी निर्भया हत्याकांड एवं ऐसे अनेक दिल दहला देने वाले अपराध बेटियों व महिलाओं के साथ घटित हुए हैं। एक बार फिर मोमबत्ती जलाकर सड़कों पर मौन जुलूस व प्रदर्शन करने आम जनता विवश है परंतु क्या केवल मोमबत्तियां जला देने से देश की उन बेटियों को न्याय मिल पाएगा जिन्होंने दिन रात कड़ी मेहनत कर स्वयं को संघर्षों की अग्नि में तपाकर ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' के अभियान की सार्थकता सिद्ध की है। क्या केवल बेटियों को पढ़ाकर काबिल बनाकर उनकी सुरक्षा की जा सकती है ?

एन.सी.आर.बी. के ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में सौसतन 87 रेप की घटना होती है । हर 15 मिनिट में एक बालिका/महिला रेप की शिकार हो जाती है। रेप के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही विगत वर्षो की तुलना में 13.23 प्रतिशत वृद्धि हुई।

CM
High. Edu.
Sch. Edu.

ये आंकड़ें तो उन मामलों के हैं जिनके गुनाह दर्ज होते हैं न जाने कितनी मासूम बच्चियाँ अपने ही परिचितों के हाथों प्रतिदिन अपनी अस्मत लुटा रही हैं जिनका कोई रिकार्ड नहीं।

क्या हम भारत की महिलाएँ मूक दर्शक बनीं बस अपनी बच्चियों को हैवानियत का शिकार होते देखते रहेंगी। एक निर्भया, एक मौमिता दशकों तक हमारे अंतर्मन में भय बनकर समाई रहती हैं। न जाने कितनी बच्चियों से यह भय कलम किताब छुड़ा देता है, न जाने कितनी बच्चियाँ अपरिपक्वता में घर गृहस्थी बसाने विवश हो जाती हैं और न जाने कितनी अपना करियर छोड़ घर की चार दीवारों में सिमट जाती हे। आखिर इन सबके सपनों को रौंदने का दोषी कौन है ? आरोपी, सरकार, समाज या बेटियों/महिलाओं को भोग्या समझने की मानसिकता ???

अब सामाजिक मान्यताओं को बदलने का समय आ गया है। अब हर बेटी को माँ दुर्गा, काली , रानी लक्ष्मी बाई, रानी दुर्गावती जैसी वीरांगना बनाना होगा। यह द्वापर नहीं जहाँ द्रोपदी के चीर को श्री कृष्ण बचाएंगे यह कलयुग है जहाँ हर नारी को शक्ति बनाना होगा वरना नारी की पूजा करने वाला ये भारत वर्ष

क्रमशः//2//

विश्व में नारी सम्मान की धज्जियाँ उड़ाने वाले देश के रूप में कुख्यात होगा।

नारी की रक्षा उसका सम्मान न केवल पुलिस, सरकार की जवाबदेही है अपितु यह संपूर्ण समाज का दायित्व है कि अपने बेटों को भी संस्कारित करें और कानून की भी कि नारी के तरफ आँख उठाने वाला भय से आँखें मींच लें।

महोदय मेरा आपसे एक नारी, एक माँ, एक बेटी, एक बहू, एक बहन, एक समाज सेवी होने के नाते यह आग्रह है कि प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक कार्य स्थल, प्रत्येक सार्वजनिक स्थलों पर जहाँ बेटियाँ, महिलाएँ होती है अत्म रक्षा, सेल्फ डिफेंस की वृहद व नियमित स्तर पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँ। बेटियों को शारीरिक व मानसिक रूप से इतना बलवान बनाया जाए कि कोई उनकी और बुरी नजर डाले तो वे उसकी आँखें नोच लें, पढ़ लिखकर वे माता-पिता का नाम तो रौशन कर ही लेंगी पर उसके लिए उनका जिंदा होना जरूरी है।

अतः आपसे आग्रह है कि बेटियों, महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे हर विपरीत परिस्थितियों में अपनी रक्षा स्वयं कर सकें और अपनी बहादुरी से अपराधियों के दिलों में दहशत पैदा कर सकें। देश के प्रत्येक विद्यालय, महाविद्यालय, कार्य क्षेत्र, संस्थाओं, गली, मोहल्ले, कॉलोनियों में बेटियों/ महिलाओं को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण दिया जाए यही आपसे विनती है और यही डॉ. मौमिता देबनाथ को सच्ची श्रद्धांजली भी।

धन्यवाद...

दिनांक 02/09/2024

निवेदक,

श्रीमती मुनमुन जैन
एक देश भक्त माँ

पता :-
जैन रोलिंग शटर एण्ड हार्डवेयर
पुलिस थाने के पास
बड़ा बाजार चिरमिरी
जिला- एम.सी.बी. (छ.ग.)
पिन नं. 497449
मोबा. नं. 7803888211